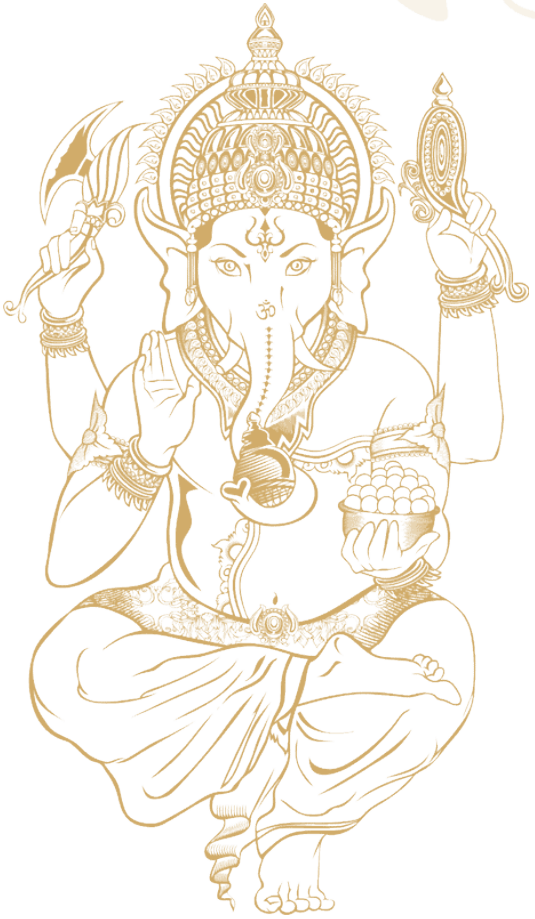

Hans

10 Jun 1991

12:00 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120941310

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/06/1991**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	16:34:04 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:29:28 घंटे
वेलान्तर	00:00:44 घंटे
साम्पातिक काल	04:41:56 घंटे
सूर्योदय	05:22:22 घंटे
सूर्यास्त	19:37:28 घंटे
दिनमान	14:15:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:09:36 वृष
लग्न के अंश	19:39:12 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:39:12	306:01:27	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			वृष	25:09:36	00:57:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	23:51:12	14:39:51	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	14:57:18	00:35:39	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	वृष	16:45:07	02:06:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	16:47:06	00:10:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	10:27:30	00:58:58	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
शनि	व		मक	12:38:21	00:02:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	25:30:03	00:04:13	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:30:03	00:04:13	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:01:16	00:02:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:21:10	00:01:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:25:47	00:01:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	18:14:48	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:30

लग्न-चलित

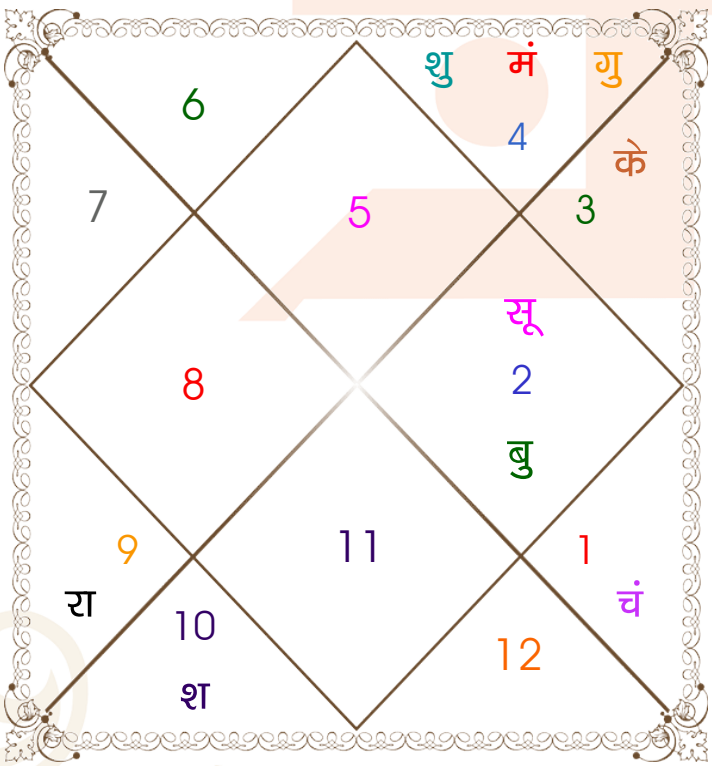

चन्द्र कुंडली

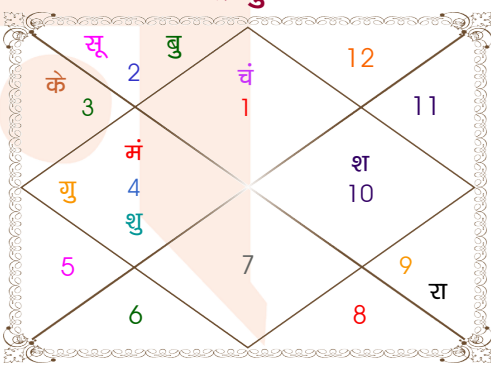

नवमांश कुंडली

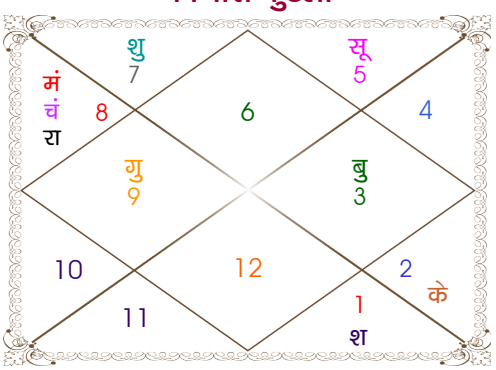

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 2 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/06/1991		29/08/1995		29/08/2001		29/08/2011		29/08/2018	
29/08/1995		29/08/2001		29/08/2011		29/08/2018		29/08/2036	
	00/00/0000	सूर्य	17/12/1995	चंद्र	29/06/2002	मंगल	26/01/2012	राहु	11/05/2021
	00/00/0000	चंद्र	17/06/1996	मंगल	28/01/2003	राहु	12/02/2013	गुरु	05/10/2023
	00/00/0000	मंगल	22/10/1996	राहु	29/07/2004	गुरु	19/01/2014	शनि	11/08/2026
	00/00/0000	राहु	16/09/1997	गुरु	28/11/2005	शनि	28/02/2015	बुध	27/02/2029
	00/00/0000	गुरु	05/07/1998	शनि	30/06/2007	बुध	25/02/2016	केतु	18/03/2030
	10/06/1991	शनि	17/06/1999	बुध	28/11/2008	केतु	23/07/2016	शुक्र	18/03/2033
शनि	29/08/1991	बुध	23/04/2000	केतु	29/06/2009	शुक्र	22/09/2017	सूर्य	09/02/2034
बुध	29/06/1994	केतु	29/08/2000	शुक्र	28/02/2011	सूर्य	28/01/2018	चंद्र	11/08/2035
केतु	29/08/1995	शुक्र	29/08/2001	सूर्य	29/08/2011	चंद्र	29/08/2018	मंगल	29/08/2036

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/08/2036		29/08/2052		29/08/2071		29/08/2088		29/08/2095	
29/08/2052		29/08/2071		29/08/2088		29/08/2095		00/00/0000	
गुरु	17/10/2038	शनि	01/09/2055	बुध	25/01/2074	केतु	25/01/2089	शुक्र	29/12/2098
शनि	29/04/2041	बुध	12/05/2058	केतु	22/01/2075	शुक्र	27/03/2090	सूर्य	29/12/2099
बुध	05/08/2043	केतु	20/06/2059	शुक्र	22/11/2077	सूर्य	02/08/2090	चंद्र	30/08/2101
केतु	11/07/2044	शुक्र	20/08/2062	सूर्य	29/09/2078	चंद्र	03/03/2091	मंगल	30/10/2102
शुक्र	12/03/2047	सूर्य	02/08/2063	चंद्र	28/02/2080	मंगल	30/07/2091	राहु	30/10/2105
सूर्य	29/12/2047	चंद्र	02/03/2065	मंगल	24/02/2081	राहु	16/08/2092	गुरु	30/06/2108
चंद्र	29/04/2049	मंगल	11/04/2066	राहु	14/09/2083	गुरु	23/07/2093	शनि	11/06/2111
मंगल	05/04/2050	राहु	15/02/2069	गुरु	20/12/2085	शनि	01/09/2094		00/00/0000
राहु	29/08/2052	गुरु	29/08/2071	शनि	29/08/2088	बुध	29/08/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।